POSTAL REG. NO. JAIPURCITY/410/2024-26 (RNI.REG.NO 39658/1983) #ग्रा.ग./2024/अंक 03

मासिक प्रेषण दि. 8 मार्च, सी.एस.ओ., आएमएस गाँधी नगर, जयपुर-15

ग्राम गदर

वर्ष 1983 से प्रकाशित

'अक्षत टावर', डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016

प्रकाशन की तिथि : 01 मार्च, 2024 मूल्य 50 पैसे

आपके नाम चिट्ठी

जयपुर से जोग लिखी प्रदीप महता का सबको राम-राम/सलाम! लोकसभा में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनावों से पूर्व अंतरिम बजट 2024 प्रस्तुत किया। उन्होंने आत्मविश्वास दर्शाते हुए कहा है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र होगा। पूर्ण बजट में इसका रोडमैप पेश किया जाएगा। अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान दिया गया है। साथ ही बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का वादा किया है।

इसके लिए प्रमुख योजनाओं में धन का आवंटन बढ़ाया है। बड़ी बात यह है कि मुफ्त की घोषणाओं से परहेज किया गया है। यह चुनावी बजट नहीं, विवेकपूर्ण और सरकार की उपलब्धियों को दर्शाता है। अंतरिम बजट में समावेशी विकास, दूरदर्शिता और भविष्य के निर्माण की झलक दिखाई देती है।

वहीं राज्य विधानसभा में वित्तमंत्री दिया कुमारी ने भी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए (बजट वर्ष 2024-25 के लिए) फिलहाल 4 माह का अंतरिम बजट (लेखानुदान) रखा है। बजट में महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अच्छे प्रावधान रखे गए हैं।

वित्तमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योगों को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के विकास की नई घोषणाएं करते हुए विकसित राजस्थान का संकल्प व्यक्त किया है। डबल इंजन सरकार होने से जनता उत्साहित है। भरोसा है, प्रदेश के सर्वांगीण विकास में नव निर्वाचित भजनलाल सरकार कोई कसर नहीं रहने देगी और जनमानस में अपनी अच्छी छवि उजागर करेगी।

हमेशा की तरह 'ग्राम गदर' में समय-समय पर गांवों से सम्बन्धित बजट घोषणाओं और योजनाओं को सरल व तार्किक रूप में प्रकाशित किया जाता रहेगा, ताकि ग्रामीण इन घोषणाओं के सरकारी अमल पर पैनी नजर रख कर लाभान्वित हो सकें।

नब्ज पर हाथ, सेहत का रखा खयाल

केंद्र के बजट में लोगों की सेहत का खयाल रखते हुए वर्तमान में दी जा रही योजनाओं को आगे बढ़ाने और जरूरतमंदों के लिए ज्यादा लाभदायक बनाने की बात की गई है। चुनावी साल होने से लोक लुभावनी घोषणाएं न करके योजनाओं के लिए फंड की घोषणा जुलाई में पेश होने वाले बजट में किए जाने की बात विवेकपूर्ण मानी जा रही है। 9-14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए टीके लगाने की योजना सराहनीय कदम है।

राज्य के अंतरिम बजट में वित्तमंत्री द्वारा जनस्वास्थ्य को लेकर कई घोषणाएं की गई है। आम जन को गंभीर बीमारी पर और ज्यादा राहत देने के मकसद से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में आइपीडी के साथ-साथ डे-केयर पैकेज जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को प्रथम बच्चे के लिए दो किश्तों में 5 हजार रुपए दिए जाने का प्रावधान है, जिसे बढ़ाकर प्रथम चरण में 6 हजार 500 रुपए किया जा रहा है। इस योजना पर 90 करोड़ रुपए के खर्च का प्रावधान बजट में रखा गया है। 250 करोड़ रुपए से प्रदेश में अगले साल आयुष कार्यक्रम चलाये जाएंगे। मौजूदा सुविधाओं का उपयोग कर नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

महिलाएं बनेंगी 'लखपति दीदी'

केंद्रीय बजट में महिलाओं के आर्थिक विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई घोषणाएं हैं। नए संसद भवन के पहले सत्र में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को आगे लाने से अनेक सुविधाएं मिलेंगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्किल डेवलपमेंट योजना के तहत वित्तीय मदद बढ़ेगी। इसके जरिए 5 साल में 3 करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में 14 लाख आशा और आंगनबाड़ी वर्कर्स को जोड़ा जाएगा।

विकसित राजस्थान का संकल्प लेते हुए वित्तमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश के अंतरिम बजट में 'लखपति दीदी' योजना के तहत महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 5 लाख परिवारों की आय एक लाख रुपए वार्षिक तक पहुंचाने का वादा किया है। मानदेय कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने से आंगनबाड़ी कर्मियों को भी लाभ मिलेगा। प्रत्येक ब्लॉक में आदर्श आंगनबाड़ी विकसित की जाएगी। प्रदेश के हर जिले में एंटी रोमियो स्क्वॉयड और सार्वजनिक स्थलों, महिला छात्रावासों में व नारी निकेतनों में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे, इससे महिलाओं की सुरक्षा को बल मिलेगा। लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवार में बालिका जन्म पर एक लाख रुपए सेविंग बॉन्ड दिया जाएगा।

'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार, 2023

'कट्स' द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय ग्रामीण भित्ती-पत्र 'ग्राम गदर' अपने प्रकाशन के 42 वर्ष पूरे कर रहा है। अतः हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण संचार के क्षेत्र में लेखन और उत्कृष्ठ पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार हेतु पत्रकार बन्धुओं से प्रविष्टियां आमन्त्रित की जाती हैं।

यह पुरस्कार प्रतिवर्ष समसामयिक मुद्दों पर प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2023 का विषय जिस पर उत्कृष्ठ पत्रकारिता के लिए प्रविष्टियां आमन्त्रित की जा रही है, वह है:

'जलवायु परिवर्तन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव'

'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार के अन्तर्गत निर्णायक मण्डल द्वारा चुने गये पत्रकार को 10,000 (दस हजार) रुपए का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

कृपया प्रविष्टियां भेजते समय निम्न उल्लेख/संलग्न अवश्य करें-

- अपना पूरा नाम व पता पिनकोड सहित। ● टेलीफोन/मोबाइल नम्बर
- पत्रकारिता के लिए जिस समाचार पत्र से जुड़े हैं/थे या स्वतंत्र पत्रकारिता कर रहे हैं तथा कब से (पूर्ण विवरण सहित)।
- वर्ष 2023 के दौरान आपके नाम से विभिन्न समाचार पत्रों में छपे लेख व खबरों की प्रेस कटिंग व अन्य सम्बन्धित दस्तावेजों का संलग्नीकरण।

<u>प्रविष्टियां हमें 31 मार्च, 2024 तक नीचे लिखे पते पर अवश्य भिजवाने का कष्ट करें।</u>

कन्ज्यूमर यूनिटी एण्ड ट्रस्ट सोसायटी (कट्स), डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016 (राजस्थान), फोन: 0141-2282821, फैक्स: 0141-2282485, 4015395

ई-मेल: cart@cuts.org, वेबसाईट: www.cuts-international.org

खुशियों से भरेंगे किसानों की झोली

केंद्रीय अंतरिम बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों को आश्वस्त किया है कि अन्नदाताओं की जरूरतों उनकी आकांक्षाओं और उनके कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। फसल कटाई के बाद स्टोरेज के लिए प्राइवेट और पब्लिक इन्वेस्टमेंट हो सकेगा। कृषि सिंचाई के लिए बजट में 22 फीसदी तक वृद्धि की जाएगी।

राज्य विधानसभा में वित्तमंत्री दियाकुमारी ने भी जुलाई 2024 तक के लिए अंतरिम बजट रखा। बजट में 2000 करोड़ रुपए का कृषि क्षेत्र के लिए राजस्थान एग्रीकल्चर कोष बनाने, किसानों को मोटे अनाज (श्रीअन्न) को बढ़ावा देने के लिए उच्च गुणवत्ता के बीज किट देने, किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर 5 लाख गोपालक परिवारों को गोपाल क्रेडिट कार्ड देने तथा पीएम सम्मान निधि के तहत सालाना 8000 रुपए आर्थिक मदद देने के लिए 1400 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राजस्थान एग्रीकल्चर इन्फ्रा मिशन-2 में 2 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे 20 हजार फार्म पॉण्ड, 10 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइपलाइन, 50 हजार किसानों के लिए तारबंदी, 5 हजार वर्मी कम्पोस्ट इकाइयां एवं नए एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर, फूड पार्क तथा होर्टिकल्चर हब बनाए जाने का वादा अंतरिम बजट में किया गया है। हर किसान को एक लाख रुपए तक ब्याज मुक्त शॉर्ट टर्म ऋण मिलेगा। कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को प्रोत्साहित किया जाएगा। माना जा रहा है कि प्रदेश के पूर्ण बजट में किसानों के हक में कई ठोस कदम उठाए जाएंगे।

'ग्राम गदर' हिन्दी मासिक

फार्म-4 (नियम 8)

'ग्राम गदर हिन्दी मासिक' के स्वामित्व का विवरण और अन्य विशिष्टियां जिनका प्रकाशन प्रत्येक वर्ष अन्तिम प्रकाशन दिवस पर करना होता है, निम्नवत है-

1.	प्रकाशन का स्थान	-	जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	-	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	-	भालोटिया प्रिन्टर्स, जयपुर
	नागरिकता	-	भारतीय
	क्या विदेशी है	-	नहीं
4.	प्रकाशक का नाम	-	प्रदीप सिंह महता
	नागरिकता	-	भारतीय
	क्या विदेशी है	-	नहीं
	पता	-	डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016
5.	सम्पादक का नाम	-	प्रदीप सिंह महता
	नागरिकता	-	भारतीय
	क्या विदेशी है	-	नहीं
	पता	-	डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार-पत्र के स्वामी हों तथा समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों।	-	एक मात्र स्वामी प्रदीप सिंह महता

मैं प्रदीप सिंह महता एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

प्रदीप सिंह महता
प्रकाशक के हस्ताक्षर

बुनियादी ढांचा विकास पर फोकस

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में चहुंमुखी विकास के लिए बुनियादी ढांचा विकास पर ज्यादा जोर देते हुए पूंजीगत व्यय 11.1% बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए करने की घोषणा की है। यह सकल घरेलू उत्पाद का 3.4% होगा। मोदी सरकार का खास फोकस गरीबों लिए घर पर ज्यादा है। बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना का आवंटन 54,103 करोड़ से बढ़कर 80,671 करोड़ रुपए किया गया। शहरों में मेट्रो, रेलवे, हवाई अड्डे, सडकों व मेडिकल कॉलेज आदि का विस्तार होगा। साथ ही बिजली, पानी और ग्रामीण विकास जैसी अन्य योजनाओं का विस्तार होगा। मनरेगा का बजट 43% बढ़कर 86 हजार करोड़ रुपए किया गया है। समावेशी विकास होने से लाखों लोगों को अच्छा रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। सभी क्षेत्रों में हो रहे सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

इधर वित्तमंत्री दिया कुमारी द्वारा भी पर्यटन और आधारभूत ढांचें की मजबूती के लिए राज्य के अंतरिम बजट में अच्छे प्रावधान किए गए हैं। वित्तमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए तेजी से आवास बनाने, जयपुर मेट्रो का विस्तार करने, जयपुर के पास हाईटेक सिटी विकसित करने, चार शहरों में इनोवेशन स्टूडियों बनाने, मेडिकल कॉलेज खोलने, मंदिरों व पर्यटन स्थलों के विकास करने व गांवों में 5 लाख जल संरचनाए बनाने जैसे कई बड़े कदम बढ़ाए हैं। मानना है कि इससे प्रदेश में नए-नए रोजगार के द्वार खुलेंगे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुसार ठोस पहल की गई है और प्रदेश को विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प व्यक्त किया है।

जल स्वावलंबन को दिया ज्यादा महत्व

बजट में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 की घोषणा की गई है। इसमें एक साल में 5 हजार से अधिक गांवों में 1.10 लाख और 4 साल में 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनेंगे। पांच साल का बजट 11,200 करोड़ और एक साल का 3500 करोड़ रूपए है। एनिकट, छोटी नहरें, तालाब भी बनेंगे। जल जीवन मिशन के तहत 25 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सुविधा की जाएगी।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2024

जैसा कि विदित है 'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' प्रति वर्ष 15 मार्च को मनाया जाता है। यह एक वैश्विक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों और जरूरतों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

इस वर्ष का विषय 'उपभोक्ताओं के लिए निष्पक्ष और जिम्मेदार एआई' रखा गया है। जैसे-जैसे आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से उत्पादों और सेवाओं को आकार दे रही है यह विषय नैतिक एआई पर जोर दे रहा है।

आज डिजिटल दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने तूफान ला दिया है। इसका उपभोक्ता सुरक्षा और डिजिटल निष्पक्षता पर भी प्रभाव पड़ेगा। अतः हमें एक साथ, एक निष्पक्ष और जिम्मेदार एआई भविष्य सुनिश्चित करने के लिए तेजी से आगे बढ़ना होगा।

अतः सभी उपभोक्ता संस्थाएं इस अवसर पर अपने-अपने क्षेत्र में उक्त विषय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर जनसाधारण को जागृत और सचेत करें। कृपया कार्यक्रम की रिपोर्ट 'ग्राम गदर' को अवश्य भिजवाने का कष्ट करें।

बृजमोहन आचार्य 'ग्राम गदर' पुरस्कार से सम्मानित

'कट्स' द्वारा वर्ष 2002 से हर साल ग्रामीण पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने के मकसद से 'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

इस बार वर्ष 2022 के लिए यह पुरस्कार 'कट्स' द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से संचालित 'जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम' के तहत जोधपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय मंडोर में आयोजित कार्यशाला के मुख्य अतिथि, कुलपति बी.आर. चौधरी द्वारा बीकानेर जिले के पत्रकार बृजमोहन आचार्य को प्रशस्ति पत्र एवं 10 हजार रुपए का चैक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्री आचार्य प्रतिष्ठित राजस्थान पत्रिका के बीकानेर संस्करण से जुड़े हैं। उन्होंने वर्ष 2022 के दौरान 'राजस्थान सरकार की स्वास्थ्य योजनाएं कितनी लाभकारी' विषय पर कई रोचक स्टोरियां प्रकाशित कर आमजन में जागरूकता लाने एवं जनचेतना जागृत करने का काम किया है।

महता बने ब्राजील की अंतरराष्ट्रीय सलाहकार परिषद् के सदस्य

'कट्स' इंटरनेशनल के महामंत्री प्रदीप महता को टी20 ब्राजील की अंतरराष्ट्रीय सलाहकार परिषद् का सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा 'कट्स' इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक बिपुल चट्टोपाध्याय को टी20 ब्राजील के टास्क फोर्स 4 के उप-विषयों में से एक का सह-अध्यक्ष बनाया है। यह टास्ट फोर्स सतत व समावेशी विकास के लिए व्यापार-निवेश से संबंधित मुद्दों को सुलझाएगी।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक स्वत्वाधिकारी प्रदीप एस महता के लिए भालोटिया प्रिन्टर्स, जयपुर से प्रकाशित।

'अक्षत टावर', डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016 फोनः 228 2821 से 23 फैक्सः 0141-228 2485

कम्पोजिंग एवं लेआउट राजकुमार त्रिवेदी, 'कट्स' जयपुर